महात्मा फुले शिक्षण संस्था संचलित,

कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपुर

हिंदी विभाग

(HINDI DEPARTMENT)

Hindi Course Outcomes

(2024-25)

बी.ए. भाग 1

1. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुची निर्माण होगी.
2. छात्रों में रोजगार के कौशल विकसित होंगे.
3. छात्रों में सामाजिक, मानवी दृष्टीकोन विकसित होगा.
4. छात्रों को विविध विषयो की जानकारी होगी.
5. छात्र साहित्य के प्रति आकृष्ट होगे.

बी.ए. भाग 2

1. छात्र कहानी साहित्य के स्वरूप और प्रकरो से परिचित होंगे.
2. कथेतर साहित्य से अवगत कराना.
3. कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान साहित्य के साथ अध्ययन कराना.
4. नाटक साहित्य का स्वरूप, तत्व एवं प्रकरो का अध्ययन कराना.
5. छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियो से परिचित कराना.
6. छात्रों को साहित्य की विविध विधाओ से परिचित कराना.
7. छात्रों को भाषा के श्रवण, लेखन, पठन कौशल को विकसित करना.
8. छात्रों को नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना.

बी.ए. भाग 3

1. छात्र लेखक के जीवन व्यक्तित्व कृतीत्व से परिचित होंगे.
2. समय के अनुसार बदली हुई सरचना. भाषा शैली से परिचित होंगे.
3. छात्र साहित्य के स्वरूप और उसकी प्रासंगिकता से परिचित होंगे.
4. साहित्य के अध्ययन से छात्र की समीक्षा की क्षमता विकसित होगी.
5. छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित होंगे.

6. छात्र पात्रो की मनोदशा से परिचित होंगे.
7. छात्र रस, भाषा, अलंकार से परिचित होगे.
8. छात्र साहित्य के विविध सिद्धांत को समझेगे.
9. छात्र हिंदी साहित्य के प्रयोजनो से परिचित होंगे.

एम.ए. भाग 1.

1. अनुसंधान के स्वरूप को समझ सकेंगे.
2. अनुसंधान के प्रयोजनो से परिचित होंगे.
3. शोध निर्देशक के गुणो से परिचित होंगे.
4. छात्रों को हिंदी साहित्य और उसमें प्रतिबिंबित भाषाओं के विविध प्रवाह,रचना और साहित्यकारों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी.
5. छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य के विविध आयामो के साथ अनुसंधान के विविध अवसर प्राप्त होंगे.
6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम उज्जवल गौरवशाली भारत के भविष्य के लिए सृजनात्मक,संवेदनशील,आदर्श, सुशिक्षित , देशप्रेमी नागरिक बनाने में सहयोगी साबित होगा.

एम.ए. भाग 2.

1. हिंदी भाषा साहित्य अध्ययन के साथ रोजगारो के अवसर को बढावा देना.
2. नेट/सेट परीक्षा के साथ हिंदी अधिकारी पद के लिए मार्गदर्शन.
3. सृजनात्मक लेखन क्षमता विकसित करना,
4. समाज और संस्कृति की ओर देखने का नया दृष्टीकोन प्राप्त होगा.
5. छात्र उचित, प्रभावी, कौशलपूर्ण भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे.